Bhatkhande Sanskriti Vishwavidyalaya, Lucknow
Ph.D Entrance Exam Syllabus
(Vocal and Swar Vadya)

Unit 1: Glossary of Terms and Folk Music :
Music, Naad and its types, Shruti, Seven Vedic Swar, Shuddha and Vikrit Swar, Vadi-Samvadi-Anuvadi-Vivadi, Saptak, Aroh-Avroh-Pakad, Poorvang-Uttarang, Raag Jati (Audav-Shadav-Sampurna), Alankar, Aalap, Taan, Gamak, Alpatwa-Bahutwa, Graha, Ansh, Nyas, Avirbhava-Tirobhava, Marg Sangeet, Deshi Sangeet, Kutap, Vrind, Kaku, Vaggeyakaar, Mel, Thaat, Raag, Meend, Khatka, Murki, Gat, Jod, Jhala, Ghaseet, Harmony and Melody, Taal, Laya, Theka, Matra, Vibhag, Taali, Khaali, Avartan, Sam.
Origin, development and classification of Indian folk songs; Study of folk music and folk instruments; Brief introduction of Rabindra Sangeet.

Unit 2: Ras and Aesthetics :
1. Ras, Types of Ras and its components and the Ras theory according to Bharat Muni.
2. Ras Nishpatti and its various perspectives.
3. Bhav and Ras.
4. The relationship of Ras with Swar, Laya, and Taal.

Unit 3: Research Methodology, Interdisciplinary Aspects, and Modern Technology :
Research Methodology: Scope of research, review of previous studies, selection of appropriate research title & research problem, research techniques in music, preparing research abstract, material collection & its sources, analysis of collected material, writing research project report, project sequencing, bibliography, etc.
Research Directions and its Interdisciplinary Aspects: Music and literature, music therapy, philosophy, psychology, mathematics, religion and culture.
Modern Technology: Electronic devices, computers, internet, etc.

Unit 4: Experimental Science :
Indian and Western Musical Scale; Gram, Murchana and Chatuh Sarana; Raag Lakshan; Raag Vargeekaran - Gram Raag-Deshi Raag, Thaat Raag Vargeekaran, Raag-Ragini Vargeekaran and Raganga Vargeekaran; Detailed study of popular Raags and Taals; Hindustani (Paluskar and Bhatkhande) notation systems, Western notation systems; Comparative study of Carnatic and Hindustani Swars and Taals; Carnatic names of popular Hindustani Raags; Knowledge of various Layakaris (dugun, tigun, chaugun, aad, kuaad, and biaad).

Unit 5: History of Indian Music and Contributions of Indian Musicologists :
Contributions of Ancient, Medieval and Modern Musicologists - Bharat, Matang, Sharangadev, Ramamatya, Pandit Ahobal, Venkatmakhi, Pandit Vishnu Digambar Paluskar, Pandit Vishnu Narayan Bhatkhande, Dr. Prem Lata Sharma.
Ancient, Medieval and Modern texts - Natyashastra, Brihaddeshi, Sangeet Ratnakar, Swaramelkalanidhi, Sangeet Parijat, Chaturdandi Prakashika, Kramik Pustak Malika.

Unit 6: Singing Styles and Their Gradual Development :
Prabandh, Dhrupad, Dhamar, Khayal, Tarana, Sadra, Trivat, Chaturang, Lakshan Geet, Raagmala.

Thumri, Dadra, Tappa, Hori, Chaiti, Kajari; Light Music: Geet, Ghazal, Bhajan.
Firozkhani Gat, Maseetkhani Gat, Razakhani Gat; Padam, Kriti, Varnam, Pallavi, Javali, Tillana.
Origin and gradual development of the above-mentioned singing and instrumental styles.

Unit 7: Indian Musical Instruments and Classification of Instruments :
Ancient, Medieval and Modern classification of instruments.
Types of instruments:
- String Instruments: Sitar, Sarod, Violin, Dilruba, Esraj, Santoor, Tanpura, Surbahar, Guitar.
- Idiophonic Instruments: Jaltarang, Ghatam, Manjira, Jhanjh, Kartal.
- Wind Instruments: Flute, Shehnai, Nadaswaram, Harmonium.
- Percussion Instruments: Pakhawaj, Tabla, Mridangam, Khol, Naqqara, Duff, Dholak.
Origin and gradual development of the instruments used in Hindustani music.

Unit 8: Gharana, Performers and Institutional Teaching in Hindustani Music :
Origin and development of Gharanas in Hindustani music; Study of Gharanas of Dhrupad, Khayal and Instrumental music.
Characteristics of different gharanas and their prominent artists - Tansen, Haridas, Pt. Balakrishna Buwa Ichalkaranjikar, Ustad Faiyaz Khan, Ustad Bade Ghulam Ali Khan, Ustad Amir Khan, Pt. Vinayakrao Patwardhan, Ustad Alladiya Khan, Pt. Omkarnath Thakur, Kesarbai Kerkar, Smt. Gangubai Hangal; Pt. Lal Mani Mishra, Annapurna Devi, Ali Akbar Khan, Amjad Ali Khan, Pannalal Ghosh, Hariprasad Chaurasia, Ahmed Jan Thirakwa, Pt. Samta Prasad, Pt. Kishan Maharaj, Kudau Singh, Vishwa Mohan Bhatt, Shiv Kumar Sharma, V. G. Jog, N. Rajam; Purandar Das, Shyama Shastri, Muthuswami Dikshitar, Tyagaraja, Swati Tirunal.
Major classical music sammelan in India; Prominent National and International honours in the field of music; Institutional teaching methods and their contribution to Hindustani music.

भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ
पीएच॰ डी॰ प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम
(गायन एवं स्वरवाद्य)

इकाई- 1 पारिभाषिक शब्दावली एवं लोक संगीत

संगीत, नाद एवं उसके प्रकार, श्रुति, सप्त वैदिक स्वर, शुद्ध एवं विकृत स्वर, वादी-संवादी-अनुवादी-विवादी, सप्तक, आरोह-अवरोह-पकड़, पूर्वांग-उत्तरांग, राग जातियाँ (औडव-षाडव-संपूर्ण), अलंकार, आलाप, तान, गमक, अल्पत्व-बहुत्व, ग्रह, अंश, न्यास, आविर्भाव-तिरोभाव, मार्ग संगीत, देशी संगीत, कुतप, वृन्द, काकू, वाग्गेयकार, मेल, थाट, राग, मींड, खटका, मुर्की, गत, जोड़, झाला, घसीट, हॉर्मनी और मेलॉडी, ताल, लय, ठेका, मात्रा, विभाग, ताली, खाली, आवर्तन, सम।
भारतीय लोक गीतों का उद्गम, विकास एवं वर्गीकरण; लोक संगीत एवं लोक वाद्यों का अध्ययन; रवींद्र संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई- 2 रस एवं सौंदर्य :

1. रस, रस के प्रकार एवं अवयव तथा भरत मुनि के अनुसार रस सिद्धांत
2. रस निष्पत्ति एवं उसके विभिन्न दृष्टिकोण
3. भाव और रस
4. स्वर, लय एवं ताल से रस का संबंध

इकाई- 3 शोध-प्रविधि, अंतरसंबंधात्मक पहलु एवं आधुनिक तकनीक :

शोध-प्रविधि : शोध का क्षेत्र, पूर्व अध्ययन की समीक्षा, उपयुक्त शोध-शीर्षक एवं शोध-समस्या का चयन, संगीत में शोध की प्रविधि, शोध संक्षिप्तिका तैयार करना, सामग्री-संकलन एवं इसके सूत्र, सामग्री-संकलन का विश्लेषण, शोध परियोजना की रपट लिखना, शोध परियोजना का अनुक्रमण, संदर्भ सूची इत्यादि।
शोध की दिशाएँ एवं इसके अंतरसंबंधात्मक पहलु : संगीत और साहित्य, संगीत चिकित्सा, दर्शन शास्त्र, मनोविज्ञान, गणित, धर्म और संस्कृति।
आधुनिक तकनीक : इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कंप्यूटर, इंटरनेट इत्यादि।

इकाई- 4 प्रयोगात्मक शास्त्र :

भारतीय एवं पाश्चात्य संगीत सप्तक; ग्राम, मूर्च्छना एवं चतुः सारणा; राग-लक्षण; रागों का वर्गीकरण - ग्राम राग-देशी राग, थाट राग वर्गीकरण, राग-रागिनी वर्गीकरण तथा रागांग वर्गीकरण; प्रचलित रागों एवं तालों का विस्तृत अध्ययन; हिंदुस्तानी (पलुस्कर एवं भातखण्डे) स्वरलिपि पद्धतियाँ, पाश्चात्य स्वरलिपि पद्धतियाँ; कर्नाटक एवं हिंदुस्तानी स्वरों तथा तालों का तुलनात्मक अध्ययन; प्रचलित हिंदुस्तानी रागों के कर्नाटकी नाम; विभिन्न लयकारियों (दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़, कुआड़ एवं बिआड़) का ज्ञान।

इकाई- 5 भारतीय संगीत का इतिहास एवं भारतीय संगीत के शास्त्रज्ञों का योगदान :

प्राचीन, मध्यकालीन तथा आधुनिक कालीन शास्त्रज्ञों का योगदान- भरत, मतंग, शरंगदेव, रामामात्य, पंडित अहोबल, व्यंकटमखी, पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे, डॉ॰ प्रेमलता शर्मा।
प्राचीन, मध्यकालीन तथा आधुनिक कालीन ग्रंथ- नाट्यशास्त्र, बृहद्देशी, संगीत रत्नाकर, स्वरमेल कलानिधि, संगीत पारिजात, चतुर्दंडी प्रकाशिका, क्रमिक पुस्तक मालिका।

इकाई- 6 गेय विधाएँ एवं उनका क्रमिक विकास :

प्रबंध, ध्रुपद, धमार, ख़्याल, तराना, सादरा, त्रिवत, चतुरंग, लक्षण गीत, रागमाला।
ठुमरी, दादरा, टप्पा, होरी, चैती, कजरी इत्यादि। सुगम संगीत : गीत, ग़ज़ल, भजन।

फ़िरोज़ख़ानी गत, मसीतखानी गत, रज़ाख़ानी गत। पदम्, कृति, वर्णम, पल्लवी, जावली, तिल्लाना।
गायन एवं वादन की उपर्युक्त विधाओं की उत्पत्ति एवं क्रमिक विकास।

इकाई- 7 भारतीय संगीत वाद्य एवं वाद्य वर्गीकरण :

प्राचीन, मध्यकालीन तथा आधुनिक कालीन वाद्य वर्गीकरण
वाद्यों के प्रकार - तत् वाद्य - सितार, सरोद, वायलिन, दिलरुबा, इसराज, संतूर, तानपूरा, सुरबहार, गिटार।
घन वाद्य - जलतरंग, घटम्, मंजीरा, झाँझ, करताल।
सुषिर वाद्य - बांसुरी, शहनाई, नागस्वराम्, हारमोनियम।
अवनद्ध वाद्य - पखावज, तबला, मृदंगम्, खोल, नक्कारा, डफ, ढोलक।
हिंदुस्तानी संगीत में प्रयुक्त होने वाले वाद्यों की उत्पत्ति एवं क्रमिक विकास।

इकाई- 8 हिंदुस्तानी संगीत में घराना, कलाकार एवं संस्थागत शिक्षण :

हिंदुस्तानी संगीत में घरानों का उद्गम और विकास; ध्रुपद, ख़्याल एवं वादन के घरानों का अध्ययन।
विभिन्न घरानों की विशेषताएँ एवं उनके प्रमुख कलाकार - तानसेन, हरिदास, पं० बालाकृष्ण बुआ इचलकरंजीकार, उस्ताद फ़ैयाज़ ख़ान, उस्ताद बड़े ग़ुलाम अली ख़ान, उस्ताद अमीर ख़ान, पं० विनायक राव पटवर्धन, उस्ताद अल्लादिया ख़ान, पं० ओंकारनाथ ठाकुर, केसरबाई केरकर, श्रीमती गंगूबाई हंगल; पं० लाल मणि मिश्रा, अन्नपूर्णा देवी, अली अकबर ख़ान, अमजद अली ख़ान, पन्नालाल घोष, हरिप्रसाद चौरसिया, अहमद जान थिरकवा, पं० समता प्रसाद, पं० किशन महाराज, कुदऊ सिंह, विश्व मोहन भट्ट, शिव कुमार शर्मा, वी० जी० जोग, एन० राजम्; पुरन्दर दास, श्यामा शास्त्री, मुतुस्वामी दीक्षितार, त्यागराज, स्वाति तिरुनाल।
भारत के प्रमुख शास्त्रीय संगीत सम्मेलन; संगीत के क्षेत्र में प्रमुख राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मान; संस्थागत शिक्षण पद्धति एवं हिंदुस्तानी संगीत इसका योगदान।

पी-एच. डी. प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम- अवनद्ध वाद्य

इकाई - 1 पारिभाषिक शब्दावली:

संगीत, नाद: आहत एवं अनाहत नाद, श्रुति, कुतप, वृन्द, वाग्गेयकार, ताल, लय एवं विभिन्न लयकारियाँ, हिन्दुस्तानी संगीत में प्रचलित तालें, सप्त ताल एवं 35 ताल, ताल दश प्राण, यति, ठेका, मात्रा, विभाग, ताली, खाली, कायदा, पेशकार उठान, गत, परन, रेला, तिहाई, चक्रदार, लग्गी, लड़ी, मार्ग - देशी ताल, आवर्त्तन, सम, विषम, अतीत, अनागत, संगति।

इकाई-2 लोक संगीत :

1. भारतीय लोक गीतों की उत्पत्ति, विकास एवं वर्गीकरण

2. लोक संगीत में प्रयुक्त राग एवं ताल

इकाई - 3 रस एवं सौन्दर्य:

1. रस, भरत एवं अन्य विद्वानों के अनुसार रस सिद्धान्त

2. भाव और रस

इकाई – 4 शोध-प्रविधि, संशिक्षा, अन्तरसंबंधात्मक पहलू एवं आधुनिक तकनीकि :

शोध प्रविधि एवं संशिक्षा : शोध का क्षेत्र, पूर्व अध्ययन की समीक्षा, उपयुक्त शोध-शीर्षक एवं शोध-समस्या का चयन, संगीत में शोध की प्रविधि, शोध- संक्षिप्तिका तैयार करना, सामग्री - संकलन एवं इसके सूत्र, सामग्री- संकलन का विश्लेषण, शोध-परियोजना की रपट लिखना, शोध परियोजना का अनुक्रमण, सन्दर्भ सूची एवं ग्रन्थ सूची इत्यादि ।

इकाई - 5 प्रयोगात्मक शास्त्र-ताल एवं अवनद्ध वाद्य:

तबला एवं पखावंज वाद्यों पर बजने वाले वर्ण, उनकी वादन विधि एवं वर्ण संयोग से बनने वाले शब्द समूहों का विस्तृत अध्ययन। ताल के दश प्राणों का विस्तृत विवेचन । मार्ग एवं देशी ताल पद्धतियों का विस्तृत अध्ययन। कर्नाटक ताल पद्धति का सामान्य ज्ञान । उत्तर भारतीय ताल पद्धति का विस्तृत ज्ञान तथा उत्तर भारतीय संगीत में प्रयुक्त तालों की जानकारी ।

लय और लयकारी का विस्तृत अध्ययन, हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक तालांकन पद्धतियों का विस्तृत ज्ञान, स्टाफ नोटेशन पद्धति का सामान्य ज्ञान।

शास्त्रीय, उपशास्त्रीय, वाद्य संगीत एवं कथक नृत्य के साथ तबला संगति । ताल और छन्द का अंत:सम्बन्ध। विभिन्न मात्राओं में तिहाइयाँ बनाने का ज्ञान । तिहाईयों का विस्तृत अध्ययन - दमदार, बेदम, नौहक्का, चक्रदार तिहाइयां। साधारण, फर्माइशी एवं कमाली चक्रदारों का गणितीय विवेचन। चक्रदार-गत, चक्रदार टुकड़ा एवं चक्रदार परनों के अंतर का ज्ञान।

इकाई - 6 भारतीय संगीत – इतिहास, ग्रंथ एवं संगीत - विद्वानों का योगदान:

भरत, शारंगदेव, मंतग, पार्श्वदेव, रामामात्य, दामोदर पंडित, अहोबल, वि. ना. भातखण्डे, वि. दि. पलुस्कर, पुण्डरीक विट्ठल, सुभद्रा चौधरी, मधुकर गणेश गोडबोले, स्वामी पागलदास, गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव, प्रो. सुधीर कुमार सक्सेना, डॉ. अबान मिस्त्री, डॉ. योगमाया शुक्ला, अरविन्द मुलगांवकर, सुधीर माईणकर, अरूण कुमार सेन, छोटेलाल मिश्रा।

ग्रंथ :- नाट्यशास्त्र, संगीत रत्नाकर, बृहद्देशी, संगीत समय सार, संगीत राज, भारतीय संगीत वाद्य, तबले का उद्गम, विकास एवं वादन शैलियां, भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन, पखावज एवं तबले के घराने एवं परम्परायें, तालकोश तबला वादन- कला

एवं शास्त्र, 'तबला', तबला पुराण, ताल वाद्य परिचय, तबला ग्रन्थ मंजूषा, लय ताल विचार मंथन, तबला वादन में निहित सौंदर्य, तबला ऑफ लखनऊ, ताल वाद्य शास्त्र, भारतीय संगीत में ताल, छंद एवं रूप विधान ।

इकाई - 7 अवनद्ध वाद्यों में प्रयुक्त होने वाली रचनाओं का विस्तृत अध्ययन:

बंदिश की परिभाषा - बंदिशे, (विस्तारशील एवं अविस्तारशील बंदिशें), बंदिशों का सौन्दर्य, प्रस्तुतिकरण की विशेषता ।

कथक नृत्य की रचनाओं का सामान्य ज्ञान - आमद, परन, ततकार, तोडा, स्तुतिपरन, गत-भाव।

इकाई - 8 भारतीय संगीत वाद्यों का वर्गीकरण, प्राचीन काल से वर्तमान तक के वाद्यों की जानकारी:

भरत, शारंगदेव तथा डॉ. लालमणि मिश्र के विवेचन के आधार पर भारतीय संगीत वाद्यों का वर्गीकरण । उत्पत्ति, विकास, बनावट एवं वादन तकनीक के आधार पर निम्नलिखित वाद्यों का विस्तृत अध्ययन :-

(अ) तत वाद्य - वीणा, विचित्र वीणा, रूद्ध वीणा, सितार, सरोद, सांरगी, वायलिन, दिलरूबा, इसराज, संतुर, सुरबहार, तानपुरा।

आ) सुषिर वाद्य - - बांसुरी (फ्लूट), शहनाई, नागस्वरम्, अलगोजा, सुन्दरी ।

इ) अवनद्ध वाद्य – पणव, पटह, मृदंग, पखावज, तबला, मंदृगम्, तविल, खंजरी, खोल, चंग, डफ, नक्करा, ढ़ोल, ढ़ोलक, संबल, ढोलकी, नाल, हुडुक्का, पुंग।

ई) घन वाद्य – जलतंरग, नालतंरग, घटम, मोरसिंग, करताल, झांझ, मंजीरा। पाश्चात्य संगीत में प्रचलित लोक प्रिय अवनद्ध वाद्य एवं घनवाद्य - कीटलड्रम, स्नेयरड्रम, बासड्रम, टेनरड्रम तथा अन्य प्रमुख वाद्य ।

इकाई - 9 कलाकार तथा रचनाकार (अवनद्ध वाद्यों के विशेष संदर्भ में):

तबला - • नत्थू खां, मोदू खां, बख्शू खां, आबिद हुसैन खां, हाजी विलायत अली, राम सहाय, मुनीर खां, हबीबुद्दीन खां, अहमदजान थिरकवा, अमीर हुसैन, जहाँगीर खां, शेख दाउद, करामतुल्ला खां, अल्लारखा खां, ज्ञान प्रकाश घोष, निखिल घोष, गामा महाराज, किशन महाराज, कण्ठे महाराज, सामता प्रसाद (गुदई महाराज), अनोखे लाल मिश्रा, भाई गायतोण्डे, सुरेश तलवलकर, हशमत अली खां, ज़ाकिर हुसैन एवं समकालीन तबला - पखावज विद्वान तथा गुरू।

पखावज – कुदउसिंह, जोधसिंह, नाना पानसे, अयोध्या प्रसाद, पागल दास, छत्रपति सिंह, सखाराम ।

नक्कारा वादक - दिलावर ख़ान, अत्तन ख़ान । ढोलक वादक - बफाती ख़ान, गुलाम जाफ़र । ढोलकी वादक – विजय चौहान।

कर्नाटक संगीत - गायक एवं वादक: भारत रत्न सुब्बलक्ष्मी, एस. बालचन्दर, बालमुरली कृष्णन, टी. एन. कृष्णन, पालघाट रघु, उमयालपुरम शिवरामन, विक्कू विनायक राम ।

उत्तर भारतीय गायक एवं वादक

अल्लाउद्दीन खां, विलायत खां, रविशंकर, अब्दुल हलीम जाफ़र, निखिल बनर्जी, हाफ़िज अली खां, अली अकबर खां, आमजद अली खां, बी. जी. जोग, एन. राजम् हरी प्रसाद चौरसिया, पन्नालाल घोष, बिस्मिल्ला खां, अब्दुल करीम खां, फैयाज खां, भीमसेन जोशी, किशोरी अमोनकर, जसराज, कुमार गंधर्व, अमीर खां ।

नृत्यकार – अच्छन महाराज, लच्छू महाराज, सितारा देवी, गोपी कृष्ण, बिरजू महाराज, दुर्गालाल, यामिनी कृष्ण मूर्ति।

संगीत, नृत्य, लोक संगीत एवं लोक नृत्यों में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कलाकार - अवनद्ध वाद्यों के संदर्भ में।

इकाई 10 अवनद्ध वाद्यों के घरानों का विस्तृत अध्ययन तथा संगीत की संस्थागत शिक्षण प्रणाली :-

बाज और घराना की परिभाषा

तबला तथा पखावज के घरानों की उत्पत्ति तथा विकास क्रम :- दिल्ली घराना, अजराड़ा घरना, लखनऊ घराना, फरुखाबाद घराना, बनारस घराना, पंजाब घराना, नाना पानसे घराना, कुदउसिंह घराना।

विभिन्न घरानों की वादन तकनीक।

घरानों के आधार पर पेशकार, कायदा, रेला, गत, टुकड़ा, परन, तिहाई, चक्रदार तथा लग्गी- लड़ी इन रचनाओं की मुख्य विशेषताएं।

संगीत के प्रचार प्रसार में संलग्न विश्वविद्यालय, अकादमी तथा अन्य संस्थाएं नामचीन प्राध्यापक, गुरू, शिक्षाविद तथा प्रशासक।

Syllabus – Performing Arts-Dance

Ph.D. Entrance Examination

Unit 1. Cultural History of India

- Origin and development of Art with special reference to dance as reflected in cave paintings, sculptures and Murals.
- Influence of Bhakti and various religious movements on various aspects of culture with special reference to dance.
- In depth Knowledge of Natyashastra of Bharata .
- Study of chapters related to Ekadash Natya Sangraha; Samanya and Chitrabhinayas and their classification.
- Ramayana and Silappadikkaram in terms of their content, characters, relevance to dance and theatre.

Unit 2. Folk and Traditional Theatre Forms of India

- Introduction to regional theatrical practices of Kutiyattam, Yakshagana, Bhagavatameta, Tamasha, Ramlila, Raslila, Bhavai, Nautanki, Jatra, Laiharoba, Therukoothu, Theyyam, Ankia-nat, Pandvani, along with knowledge of costumes, make-up and musical instruments used in these forms.

Unit 3.Art and Aesthetics

- 'Rasasutra' and 'Bhava' as explained by Bharata and elaboration of Rasa theory by various commentators - Bhattalollata, Shankuka, Bhattanayaka and Abhinavagupta.
- Rasa and its constituent elements, viz., Sthayi, Sanchari and Sattvika bhavas and their corresponding Vibhavas and Anubhavas.

Unit 4. Dance in Sanskrit Literature and Treatises

- A brief study of references to dance in the works of Kalidasa, Bhasa, Shudraka.
- **General understanding of the concepts related to dance from the text:** Abhinayadarpanam and Sangitaratnakar; concepts include Natya, Nritta, Nritya, Lasya, Tandava, Margi, Desi, Baddha Anibaddha, Patra Lakshana, Sabha Lakshana and Kinkini Lakshana along with specific study of the Padas, Hastas, Charis, Mandalas, Karanas, anga, upanga and pratyanga.
- The various categories and typologies of Nayaka and Nayika according to Bharata's Natyasastra

Unit 5. Indian and western concept of Classical Dance

- Origin, evolution, technique, costumes, music, Gurus and pioneers of Bharatanatyam, Kathak, Kathakali, Kuchipudi, Manipuri, Mohiniattam, Odissi, Chhau and Sattriya
- General understanding of major Talas of Hindustani Tradition : Teentala, Jhaptala, Dhamar Tala, Chautala, Ashtamangala, Matta Tala, Pancham Sawari Tala, Jaimangal Tala.
- Karnatic talas with Jaati and Gati Bheda.

- Study of the role of Rabindranath Tagore, Rukmini Devi Arundale, Madame Menaka and Raja Bhagyachandra in the revival and reconstruction of Indian dance.
- Study of the history and development of classical ballet.

Unit 6. Classical Dance in Independent India

- The role of government and private institutions in development of Indian Dance.
- Awareness of important dance festivals, awardees and current happenings in Dance.
- Institutionalization of dance and its effect on form, pedagogy, repertoire etc.
- Dance as part of curriculum in school education and Universities.